शिव भोले शंकर प्यारे | By Sanjay Chauhan |

शिव भोले शंकर प्यारे,
भक्तों के हैं रखवाले।
मन से जो इनको ध्यावे,
भव से ये पार लगावे।
देवों ने इन्हें पुकारा,
भोले विष पी गए सारा।
अमृत देवों को देकर,
दानव संहारे।
शिव भोले शंकर प्यारे,
भक्तों के हैं रखवाले----------

शेषनाग की रज्जु बनाई,
सुमेरु की मथनी फेरे।
देवता सारे मिलके,
सागर मंथन होने लगे।
अग्नि प्रकटि जल से,
विष्णु मथनी फेरते जावे ।
विष उबलने लगा,
तन भी जलने लगा।
विष्णु भगवान को आकर,
कौन बचाए ?
शिव भोलें शंकर प्यारे,
भक्तों के हैं रखवाले।----------

हाहाकार मचा देवों में,
अमृत कैसे बचावे
न ये विष में ही मिल जावे
नारद ने आकर समझाया,
“जाओ शिव की शरण में,
शिव ही संकट सारा मिटावे ।”
सारे नमन करें,
शिव का ध्यान धरे।
शिव भोले विष से ना ये,
सृष्टि जल जाए।
शिव भोलें शंकर प्यारे,
भक्तों के हैं रखवाले।----------

शिव शंकर ने आकर देखा,
उबल रहा विष सारा।
शिव ने कंठ में विष को उतारा,
नीलकंठ कहलाए शिवजी,
महाकाल कहलाए,
सारे देवों को भी तारा।
शिव को वंदन करो,
इनका पूजन करो,
हम सबको तारो जैसे,
देवों को तारा।

शिव भोले शंकर प्यारे,
भक्तों के हैं रखवाले।
मन से जो इनको ध्यावे,
भव से ये पार लगावे।
देवों ने इन्हें पुकारा,
भोले विष पी गए सारा।
अमृत देवों को देकर,
दानव संहारे।
शिव भोले शंकर प्यारे,
भक्तों के हैं रखवाले।

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a4%bf%e0%a4%b5-%e0%a4%ad%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%b6%e0%a4%82%e0%a4%95%e0%a4%b0-%e0%a4%aa%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%87-by-sanjay-chauhan/